

मनुष्य की उदासी की शुरुआत
परमेश्वर के वचन से बाइबिल की एक कहानी
में पायी जाती है
उत्पत्ति ३:६

“तुमहोर शब्द के प्रवेश से रोशनी मिलत है ॥”
भजन ११९:१३०

19

20

मनुष्य की उदासी की शुरुआत



द्वारा लिखत Edward Hughes
द्वारा चित्र Byron Unger; Lazarus

द्वारा अनुवाद करो गयो
द्वारा अनुकूल M. Maillot; Tammy S.

60 की कहानी में से 2

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

लाइसेंस: तुमई जा कहानी को पात्रिका या छापन को अधिकार है,
जब तक तुम जाई बेचत नाइ हो।

परमेश्वर जान्त हैं की हम सब ने बुरे काम
करें हैं। जिन्हें वे पाप कहत हैं। पाप को दंड मृत्यु है ॥

परमेश्वर हमें बहुत प्रेम करत हैं उसने अपने बेटा यीशुको
कृश पर मरन और हमारे पाप के दंड को भोगन केलिए
भेजो। यीशु जिंदा हुआ और स्वर्ग पर चलेगये। अब
परमेश्वर हमारे पाप को क्षमा कर सकत हैं ॥

अगर तुम अपने पाप से मुडनो चाहत हो तो जा परमेश्वर से
कहो: प्रिय परमेश्वर हमारो मननो है की यीशु हमरा ले मारेगये
और आब फिरसे जिंदा होई गए। कृपया मेरी जिदिगी मा
आई के मेरे पापों को माफ करो। इस ले आब हम नव जीवन
पाई सकत हैं और फिर तुम्हारे संगे हमेशा के ले रही। अपने
वचन के रूप मा मेरी सहायता करो। अमीन। यहुना ३:६

बाइबिल पढो और हर दिन परमेश्वर से बातें करो ॥

कन्नौजी भाषा

Kannauji

परमेश्वर ने सबकुछ बनाओ, जब
परमेश्वर ने पहिले मनुष्य आदम को
बनाओ और वोह अपनी पत्नी, ...



... हब्बा के संग अदन की बगिया मा
राहत और परमेश्वर की आज्ञा को पालन
कत भए हर एक दिन माँ परमेश्वर की
उपस्थिति को आनंद लेते भए पूरी तरह
से खुश हते ॥



1

2



सर्प ने हब्बा से पृष्ठी की परमेश्वर ने तुम्हें हर एक पेड़ को फल खाने के ले नाई बताओ? तब हब्बा ने कही, हम हर एक फल खाई सकते हैं, लेकिन एक ही ज्ञान के पेड़ को नाहीं ॥ हम वा फल कऊ खात या छुयत है तऊ हम मर जई ॥ तब मुसकुरात भए कही तुम नहीं मरिया ॥

3



तुम परमेश्वर की तरहा हुई जई अऊ, हब्बा वाँ पेड़ को फल चाहती हती और बा ने सर्प की बात सुनी और फल खाईलो ॥

4



हब्बा ने परमेश्वर की आज्ञा न मानन के वादा वाने आदम कऊ भी फल खान के लिए आदम से कही आदम ने कही हुई, हम परमेश्वर की आज्ञा को उल्लंघन नाई करी ॥

5



अब आदम और हब्बा ने पाप करो तब अपने आपको नंगो देखो तब उन्ने अंजीर के पतन कऊ सिली के खुदको ढांको और परमेश्वर की उपस्थिति से अपने आप को झाड़ीयान माँ छिपाई दिया ॥

6



आदम ने हब्बा को दोषी ठहराओ, हब्बा ने सर्प को दोषी ठहरायो तब परमेश्वर ने कहीं, सर्प श्रापित है | स्त्री से कहीं जब बच्चा पईदा हुई तब बहुत दर्द हुई ॥ आदम काए तुमने पाप करो है? और पृथ्वी को श्राप दओ की पृथ्वी भर मा कांटे ही कांटे हुई और भोजन प्राप्त करन के ले बड़ो दुःख उठाउन और पसीना बहाउन हुई ॥

7



परमेश्वर ने आदम और हब्बा ओ अदन की बगिया से बहार निकल दो, क्योंकि उन्ने पाप करो, आखीर वई जीवन देन वाले परमेश्वर से अलग हुई गए ॥

8



परमेश्वर ने उनई अदन की बगिया से दुरी रहान के ले एक ज्वाला तलवार बनाई के न्युक्त करी | परमेश्वर ने आदम और हब्बा को एक जानवर की खाल को कोट बनाई के पहिनाओ ॥

9



तभई वा समय के दौरान आदम और हब्बा से एक परिवार उत्पन्न भयो, उनको पाहिले पुत्र कैन जो एक किसान बनो ॥ एक दिन कैन भेट के रूप मा परमेश्वर के तीर कुछ सब्जी लई के अए, और हबील ने अपनी भेड बकरियन मई से अच्छे वाले वच्चा परमेश्वर के ले लाए | परमेश्वर हबील की भेट से खुश भए ॥

10



परमेश्वर कैन की भेट से खुश नाई हते, कैन बहुतय गुस्सा हतो, तबई परमेश्वर ने कही अगर तुम सही करते तो तुम्हारी भेट ग्रहण नाई करी जाती ॥

11



कैन की गुस्सा दूर नाई भई कुछ दिन बाद मैदान मा बा ने हबील पर हमला करी और वाई मार डारो ॥

12



परमेश्वर ने कैन से कहीं की तुम्हारो भईया हबील कहाँ है | वा ने कही हम नाई जानत है की वो कहाँ है, की हम का अपने भईया के रखवारे है? परमेश्वर ने कैन को खेती करन की ताकत खतम करी दई और वाई भटकन बालो करी दो ॥

13



कैन यहोवा की उपस्थिति से बाहर चलो गयो और वाने आदम और हब्बा की बेटी से बिआऊ करी लौ और उनसे एक परिवार उत्पन्न हुई गओ ॥ जल्दी ही कैन के पोता और मह पोता ने पुरे शहर की स्थापना करी ॥

14



फिर आदम और हब्बा को परिवार जल्दी से बढ़ी गयो | उन् दिनन के लोग आज के तुलना मा ज्यादा समय तक जिंदा रहत हते ॥

15



जब उनके बेटा शेत को जन्म भयो तब हब्बा ने कही परमेश्वर ने शेत कऊ हमई हबील की जगह पर दयो है | शेत परमेश्वर की शमारथ्य मा हते जो ९१२ साल तक जिंदा रहे उनके औरो बच्चा हते ॥

16



और एक पीढी दूसरी पीढी के वाद दुनिया माँ ज्यादा से ज्यादा लोग बुरे हुई गये | अंत में मनुष्य जाती को नष्ट करन को निर्णय लो ॥ और सब जानवर और सब नायछपिकऊ और मनुष्य को बनाई के परमेश्वर पछताए पर एक मनुष्य ने परमेश्वर काऊ

17



वा मनुष्य को नाम नूह हतो, शेत के बंश माँ नूह धर्मो और निर्दोश हतो और परमेश्वर के शंग शंग चलत हते ॥ उसने अपने तिन बेटन कऊ परमेश्वर की आज्ञा मननो सिखाओ, तब परमेश्वर ने बहुत अजीव और विशेष तरीका से नूह को इंसतमाल करन के ले एक

योजना बनाई ॥

18